आप की ख़बर

त्रेतायुग की अयोध्या का दर्शन ?: डा. भरत राज सिंह

By Aapkikhabar news Jan 18, 2024, 22:31 IST

लखनऊ। ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

अयोध्या की साज-सज्जा व उसके साफ-सफाई को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा है कि 22 जनवरी 2024 की प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात त्रेतायुग के श्रीराम जी के दर्शन होने वाले हैं ।अद्भुत वअविष्मरणीय भव्य अयोध्या जिसे देखने के लिये 500 वर्षो के इन्तजार और कितनो ने अपने जीवन को न्योछवर कर दिया है। हम धन्य हैं कि इसको अपने आखो से देखकर त्रेतायुग के श्रीराम जी की अयोध्या की परिकल्पना कर सकते हैं ।चौमुखी विकास को देखकर सभी सनातनियो क्या, सम्पूर्ण देशवासी ही नही विश्व की निगाह भारतीय इतिहास को नये कलेवर से अप्ने को धन्य मानने पर मजबूर होगा।

कुछ समाचर पत्रो के पढने से यह भाव उभरता है कि क्या यह सब त्रेता युगमें था और आज राम मंदिर में भगवान राम जी के दर्शन साथ नई अयोध्या का अब दर्शन होगा । मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से जुड़े अनुष्ठान भी कल से शुरू होने के साथ ही मुख्य आयोजन की तैयारियां भी अपने अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। पूरे शहर को

सजाने संवारने का काम लगभग पूरा हो चुका है।कमियां ढूंढ-ढूंढ कर दूर कराई जा रही हैं। सुंदर प्रवेश द्वार, म्यूरल पेटिंग, निर्मल सरयू, साफ-सुथरे आकर्षक राम की पैड़ी का सुंदरीकरण, सब कुछ वहां आने बालों को आकर्षित करने के लिए काफी हैं । एक ही पैटर्न बनाई गई दुकानें भी नई अयोध्या दर्शन कराएंगी । प्रशासनिक अमला अर्थात अधिकारियों द्वारा तैयारियों का निरंतर निरीक्षण कर इसको और सुंदर बनाने का प्रयास किया जा रहा है ।

प्रवेश द्वार से ही नई अयोध्या का अहसास होने के लिये लोग वेवस हो रहे हैं । अयोध्या में घुसते ही चौड़ी सड़क लोगों का स्वागत करती है l किनारे की दीवारों पर भगवान राम के अलग-अलग प्रसंगो से जुडी पेंटिंग और आकृतियाँ लोगों को आकर्षित कर रही हैं l अयोध्या की छटा देख लोग हो रहे चकित हो रहे हैं । जन्मभूमि पथ भी संस्कृति से परिचित करा रहा है। राममंदिर तक पहुंचानेवाले जन्मभूमि पथ पर पग-पग पर देश की लोक परम्परा व संस्कृतियों के दर्शन होते है । मंदिर में दर्शन के लिए देश ही नहीं, दुनिया भर से भी लोग आना प्राम्भ हो चुका है।

कुछ प्रमुख समाचर पत्रो में अयोध्या की एक दीवार पर राम कथा के आधार पर हनुमानजी के संजीवनी लाने जाने का प्रसंग उकेरा गया है, जिसके साथ मंगलवार को फोटो खिंचाते हुये तमाम श्रद्धालु इसे अपने यादोन में सजोना चाहते हैं l यद्यपि कलाकारो की मेहनत और उनका प्रयास अविष्मरनीय और प्रेरणादायक है, परन्तु शासन के सांस्कृतिक विभाग को हर ऐसे प्रसंगो से जुडे उकेरी हुईआकृतियो को अपने ग्रंथो में दर्शाये गये उल्लेखो से अवश्य ही मिलान करवा लेना अत्यंत आवश्यक है - छोटी सी भूल हमारे धार्मिक भावनाओ आहत कर सकती है। क्योंकि अयोध्या में प्रवेशद्वार पर हनुमानजी के संजीवनी लाने जाने का प्रसंग उकेरा गया है, जिसमे हाथ में गदा नही दिखाया गया है, यह कुबेर भगवान द्वारा दिया गया विशिष्ट अस्त्र है। अतः इसका सुधार आवश्यक प्रतीत होता है |

---

https://aapkikhabar.com/local/darshan-of-ayodhya-of-tretayug-dr-bharat-raj-singh/cid13359253.htm